Date : 12 मई 2023

पोषण भी पढ़ाई भी

संदर्भ- हाल ही में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने केंद्र के प्रमुख कार्यक्रम 'पोषण भी, पढाई भी' का शुभारंभ किया, जो देश भर की आंगनवाड़ियों में प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) पर केंद्रित होगा। ईरानी ने कहा कि मंत्रालय ने ईसीसीई को लागू करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए 600 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए अनुबंधित किया गया है।

पोषण भी पढ़ाई भी

पोषण भी पढ़ाई भी, योजना महिला व बाल विकास मंत्रालय के तहत आरम्भ की गई है। जो नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को हासिल करने में एक सहायक योजना के रूप में भी कार्य करेगी। जिसमें प्रीस्कूल के बच्चों की शिक्षा व विकास को सुनिश्चित किया जाएगा।

पोषण भी पढाई भी बच्चों के लिए समग्र और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक प्रोत्साहन और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने, विकासात्मक रूप से उपयुक्त शिक्षाशास्त्र के उपयोग को सुनिश्चित करने और प्राथमिक शिक्षा के साथ-साथ प्रारंभिक बचपन स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं के साथ संबंधों पर जोर देने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

लक्ष्य-

- संज्ञानात्मक विकास
- समाज-संवेगात्मक-नैतिक विकास
- सांस्कृतिक/कलात्मक विकास
- संचार के लिए प्रारंभिक भाषा का विकास
- साक्षरता और संख्या ज्ञान

कार्य सूची

- सभी राज्य दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सहायता सहित 0-3 वर्ष के बच्चों के साथ-साथ 3-6 वर्ष के बच्चों के विकासात्मक लक्ष जैसे खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित शिक्षा के लिए राष्ट्रीय ईसीसीई टास्कफोर्स की सिफारिशों का पालन करेंगे।

- प्रत्येक बच्चे को दैनिक आधार पर कम से कम दो घंटे की उच्च गुणवत्ता वाली प्री-स्कूल शिक्षा प्रदान की जाएगी।
- आंगनवाड़ी केंद्रों को उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, खेल के उपकरण और अच्छी तरह से प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/शिक्षकों के साथ मजबूत किया जाएगा।

योजना के उद्देश्य-

- इस मिशन का मुख्य उद्देश्य ईसीसीई अर्थात बाल्यावस्था देखभाल व शिक्षा को मजबूत करना है।
- भारत में उच्च गुणवत्ता का प्री स्कूल नेटवर्क बनाना।
- पोषण भी, पढाई भी कार्यक्रम प्राथमिक शिक्षक निर्देश माध्यम के रूप में मातृभाषा, आंगनवाड़ी सेविकाओं को विभिन्न प्रकार की शिक्षण-अधिगम सामग्री (विजुअल एड्स, ऑडियो एड्स, ऑडियो-विजुअल और शारीरिक-काइनेस्टेटिक एड्स) प्रदान करेगा, और एक जन आंदोलन बनाने में मदद करेगा ,

महिला व बाल विकास मंत्रालय की अन्य प्रयास

सक्षम आँगनबाड़ी और पोषण 2.0-

- सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 एक एकीकृत पोषण सहायता कार्यक्रम है।
- यह पोषण सामग्री और वितरण में एक रणनीतिक बदलाव के माध्यम से बच्चों, किशोर लड़कियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करना चाहता है।
- इसका विजन स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक इको-सिस्टमबनाना है।
- योजना के तहत बच्चों, किशोर लड़कियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण की चुनौतियों की समस्या के समाधान कराए जाएंगे।

उद्देश्य – इसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

- देश के मानव संसाधन के विकास में योगदान करना
- कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करना
- मानव स्वास्थ्य और कल्याण की स्थिरता के लिए पोषण जागरूकता और खाने की अच्छी आदतों को बढ़ावा देना
- पोषण संबंधी कमियों को दूर करने के लिए रणनीतियों का निर्माण करना ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्री प्राइमेरी बच्चों के लिए बाल विकास से संबंधित निम्नलिखित प्रावधान रखे गए हैं-

- सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित जिलों पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई तक चरणबद्ध तरीके से सभी की पहुंच
- ईसीसीई के पाठ्यक्रम और शिक्षण में विशेष प्रशिक्षित कर्मचारियों / शिक्षकों को भर्ती करना।
- आंगनवाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना।
- प्रीपेटरी कक्षाओं के लिए बुनियादी सुविधाओं व मजबूत नींव युक्त शिक्षा की व्यवस्था करना जैसे- प्रत्येक छात्र का बालवाटिका जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी करना, मिडडे मील का लाभ प्राथमिक व प्री प्राइमेरी के बच्चों को प्राप्त हो यह सुनिश्चित करना।
- स्वास्थ्य की निगरानी व जांच, आंगनबाड़ी के प्राथमिक बच्चों की निगरानी के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

स्रोत

Indian Express

https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1847666

Gunjan Joshi

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

संदर्भ- हाल ही में 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **लिगो परियोजना** सहित कई परियोजनाओं की नींव रखी इसके साथ ही 1998 के **परमाणु परीक्षणों की 25वीं** वर्षगांठ के अवसर पर यह सभी कार्यक्रम होने हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

- भारत में पोखरण **परमाणु शक्ति परीक्षण** 11 मई 1998 के दिन किया गया था। भारत में परमाणु परीक्षण की वर्षगांठ के रूप में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है।
- **स्माइलिंग बुद्धा-** परमाणु आयोग द्वारा प्रथम भूमिगत परीक्षण 18 मई 1974 को किया गया था जिसे स्माइलिंग बुद्धा के नाम से जाना जाता है। इस परीक्षण का उद्देश्य भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में समृद्ध करना था।
- **परमाणु शक्ति-** रक्षा क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा का प्रयोग कर भारत को परमाणु शक्ति प्रदान की गई। यह परीक्षण सर्वप्रथम 11-13 मई 1974 को लगभग 5 परीक्षण सम्पन्न किए गए।
- भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने इन परीक्षणों के बाद एक नया नारा दिया- **जय जवान जय किसान जय विज्ञान।**

विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निम्न प्रयास प्रारंभ किए गए हैं-

अटल इनोवेशन मिशन- नीति आयोग ने मानव मस्तिष्क में जिज्ञासा, रचनात्मकता और कल्पना को बढ़ावा देने के लिए अटल इनोवेशन मिशन की शुरुआत की है। इसके तहत-

- एआईएम स्कूलों के लिए अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल),
- स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए अटल इन्क्यूबेशन सेंटर (एआईसी),
- जमीनी स्तर पर नवाचार के लिए अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर (एसीआईसी),
- बच्चों के लिए अटल न्यू इंडिया चैलेंज (एएनआईसी)

उद्देश्य- इस सहयोग का उद्देश्य छात्रों को संसाधन, सलाह, वित्त पोषण, उद्योग विशेषज्ञता और उद्यमिता और नवाचार में प्रशिक्षण प्रदान करना है। इसके साथ ही भारत में विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थान भी नवाचार में योगदान दे रहे हैं-

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद की भूमिका

- यह भारत की विज्ञान व प्रौद्योगिकी के विकास के क्षेत्र में सबसे बड़ा अनुसंधान व विकास संस्थान है।
- औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से स्टार्टअप और एमएसएमई को सहयोग देना।
- स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में सीएसआईआर के हालिया प्रयासों में सहयोगी आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए चयनित तकनीकों का प्रदर्शन करना,
- सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में इनक्यूबेट किए गए स्टार्टअप्स को उजागर करना,
- सीएसआईआर-उद्योग संबंधों को मजबूत करने के लिए इंटरैक्टिव लेक्चर सत्र आयोजित करना
- स्टार्टअप्स से बहुमूल्य फीडबैक प्राप्त करना।

राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) की भूमिका

- एनआईओटी पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है, जो समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों के डिजाइन करने, विकसित करने और उसे प्रदर्शित करने के लिए समर्पित है।
- NIOT उद्योगों पर महत्वपूर्ण प्रभाव स्थापित करने हेतु 32 प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

परमाणु ऊर्जा विभाग की भूमिका

- डीएई परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी के विकास के लिए कृषि, चिकित्सा, उद्योग और बुनियादी अनुसंधान के क्षेत्र में विकिरण प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग कर रहा है।
- डीएई में पांच अनुसंधान केंद्र, तीन औद्योगिक संगठन, पांच सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और तीन सेवा संगठन शामिल हैं।
- जीवन की गुणवत्ता में सुधार और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए परमाणु ऊर्जा को तैनात करने के लिए प्रतिबद्ध, डीएई कार्बन मुक्त बिजली, स्वास्थ्य देखभाल (विशेष रूप से कैंसर) में योगदान देता है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की भूमिका

- भारत का राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान एक राष्ट्रीय संगठन है, जिसका मुख्यालय बंगलुरु में है।
- संगठन, अंतरिक्ष ट्यूटर नामक प्रोग्राम के द्वारा अंतरिक्ष शिक्षा को प्रोत्साहित कर रहा है, जिसमें 55 एनजीओ व शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं।
- संगठन विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए उपग्रह डेटा उपयोग पर प्रशिक्षण प्रदान करते हुए, भू-स्थानिक डोमेन में क्षमता निर्माण भी कर रहे हैं।
- इसके प्रमुख कार्यक्रमों में वर्चुअल स्पेस पार्क, स्पार्क, छात्रों को अंतरिक्ष कार्यक्रमों का अनुभव प्रदान करता है।
- इसरो का एसटीईएम पोर्टल, जिज्ञासा, ऑनलाइन शिक्षा और नवाचार को प्रोत्साहित करता है।
- नवाचार में इसरो के सहयोग से भारत में स्टार्ट अप उद्योगों की संख्या में वृद्धि हुई है।

विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग-

- भारत में विज्ञान व प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारती की एक नोडल एजेंसी है।
- डीएसटी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देता है, जिसमें नेशनल इनिशिएटिव फॉर डेवलपिंग एंड हार्नेसिंग इनोवेशन (एनआईडीएचआई) शामिल है, जो स्टार्टअप्स के लिए एंड-टू-एंड सपोर्ट प्रदान करता है।
- विभाग ने इंस्पायर मानक, निधि प्रयास, निधि टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर और निधि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसे कई कार्यक्रमों से नवाचारों और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड-

- बोर्ड स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स और उद्यमियों को उनके नवाचारों को बाजार के लिए तैयार उत्पादों में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- टीडीबी ने भारत के पहले आरटी-पीसीआर कोविड डायग्नोस्टिक किट के निर्माण का समर्थन किया था।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का महत्व-

- प्रौद्योगिकी दिवस, परमाणु ऊर्जा से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण और जैव प्रौद्योगिकी तक विभिन्न क्षेत्रों में भारत की अपार संभावनाओं से अवगत कराता है।
- इस वर्ष के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी सप्ताह का केंद्रीय विषय नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को पोषित करने और बढ़ावा देने के लिए देश की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

स्रोत-

Indian Express

Gunjan Joshi